## टंकेस्वर हजारिका बरबायन
### अकादेमी पुरस्कारः सत्रिय

## TANKESWAR HAZARIKA BORBAYAN
### Akademi Award: Sattriya

Born on 13 November 1958 at Sonari Gaon in Nagaon District of Assam, Shri Tankeswar Hazarika Borbayan received his training in Sattriya dance and its allied forms under Gurus Rameswar Khataniyar, Ghanakanta Borbayan, Joynath Burabhakat, Sunaram Pathak and Harinath Borgayan.

Shri Tankeswar Hazarika Borbayan is today among the senior performers and teachers of Sattriya dance. He has performed and conducted seminars and workshops extensively in several prestigious festivals including the events organized by Sangeet Natak Akademi such as Nritya Sangam, Imphal (2006); Nritya Pratibha, Aurangabad (2008); and Nritya Parva, Guwahati (2010). An outstanding teacher, he has trained a generation of students at several institutions including the Dibrugarh University.

Shri Tankeswar Hazarika Borbayan has received several awards and honours including the Silpi Siromoni bestowed by the Sahitya Sabha, Jorhat (2014), and Dr Jagannath Mahanta Award by Dr Jagannath Mahanta Suwarani Mancha (2019).

Shri Tankeswar Hazarika Borbayan receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2018 for his contribution to Sattriya dance.

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018

असम के नगांव जिले के सोनारी गांव में 13 नवंबर 1958 को जन्मे, श्री टंकेस्वर हजारिका बरबायन ने गुरु रामेश्वर खतनियार, घनकांत बोरबायन, जोयनाथ बुराभकत, सुनाराम पाठक और हरिनाथ बोरगायन के मार्गदर्शन में सत्रिय नृत्य और इससे सम्बद्ध रूपों का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

श्री टंकेस्वर हजारिका बरबायन आज सत्रिय नृत्य के वरिष्ठ कलाकारों और शिक्षकों में शुमार किए जाते हैं। आपने संगीत नाटक अकादेमी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों जैसे नृत्य संगम, इंफाल (2006); नृत्य प्रतिभा, औरंगाबाद (2008); और नृत्य पर्व, गुवाहाटी (2010) सहित कई प्रतिष्ठित नृत्य उत्सवों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है और बड़े पैमाने पर संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का संचालन भी किया है। आपने डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय सहित कई संस्थानों में उत्कृष्ट नृत्य शिक्षक के रूप में छात्रों की एक नई पीढ़ी को प्रशिक्षित किया है।

श्री टंकेस्वर हजारिका बरबायन को साहित्य सभा, जोरहाट द्वारा शिल्पी सिरोमोनी (2014) और डॉ. जगन्नाथ महंत सुवर्णी मंच द्वारा डॉ. जगन्नाथ महंत पुरस्कार (2019) सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

सत्रिय नृत्य के क्षेत्र में योगदान के लिए श्री टंकेस्वर हजारिका बरबायन को वर्ष 2018 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SANGEET NATAK AKADEMI AWARDS
संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार
2018